अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय, भोपाल

पत्रोपाधि पाठ्यक्रम

विषय: आधारभूत स्वास्थ्य संरक्षण

संकाय- आर्युविज्ञान संकाय

(नियम, परीक्षा, योजना, अंकन, योजना एवं पाठ्यक्रम)

सत्र : 2025-26

15/5/2025

Dr. Ruchi Soni
15/05/25

Scanned with OKEN Scanner

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय, भोपाल
पत्रोपाधि पाठ्यक्रम
आधारभूत स्वास्थ्य संरक्षण

पाठ्यक्रम का परिचय एवं उद्देश्य

आजादी के 78 वर्ष पश्चात भी बुनियादी स्वास्थ्य सेवाएं आम जनता तक उपलब्ध कराने की चुनौती आज भी हम सबके समक्ष है। विकास के साथ स्वास्थ्य सेवाएं भी बेहतर से बेहतर हुई हैं इसमें कोई दो राय नहीं कि शहरों में आधुनिक चिकित्सालयों का लाभ तो शहरी जनता के लिए है, किन्तु 70% भारत गाँव में बसता है। आमतौर पर ग्रामीण क्षेत्रों में 60 से 70% मरीज तो सामान्य बीमारियों से ही पीड़ित होते है, जिनका इलाज उसी परिवेश में किया जाकर अनावश्यक परेशानियों एवं खर्चों से बचा जा सकता है दूसरी और गंभीर रुप से बीमार मरीजों को प्रारंभिक अवस्था में ही चिन्हित कर उचित स्थान पर रेफर से इलाज के खर्च एवं समय में भी कमी लाई जा सकेगी अगर हमें आज स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाना है, और इसे ग्रामीण और शहरी पिछड़ा क्षेत्र की जनता को आसानी से एवं कम शुल्क में उपलब्ध कराना है तो हमें इसके लिए स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की आवश्यकता है, जिन्हें आधुनिक चिकित्सा पद्धतियों पर आधारित बुनियादी स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रशिक्षित किया जाए।

यह पाठ्यक्रम एक सुदृढ़ स्वरोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण योजना के रुप में विकसित होगा। शिक्षा एक मूलभूत अधिकार है किंतु विगत वर्षों से शिक्षा प्राप्ति का उददेश्य सिर्फ सरकारी नौकरियां प्राप्त करना ही होता आ रहा है, इस पाठ्यक्रम के माध्यम से शिक्षित युवा बेरोजगारों के बीच स्वरोजगार के नए अवसर उत्पन्न होंगे इसके क्रियान्वयन में आदिवासी एवं पिछड़े क्षेत्र की जनता को बहुत लाभ होगा साथ ही किसी भी विपरीत परिस्थितियों जैसे महामारी, बाढ़ या अन्य प्राकृतिक आपदाओं में शासकीय अमलों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर सहयोग करने की स्थिति में होंगें एवं शासन पर बिना किसी वित्तीय अधिभार के गाँव गाँव में स्वास्थ्य नेटवर्क उपलब्ध होगा, जिस प्रकार प्रधानमंत्री कौशल विकास योजनाओं ने देश के समक्ष एक अनूठा उदाहरण पेश किया है, उसी प्रकार यह पाठयक्रम भी ग्रामीण एवं शहरी पिछड़ा क्षेत्र की जनता के लिए स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगा जो स्वास्थ्य कार्यकर्ता भारतीय परिवेश में कार्य करने के लिए आवश्यक है।

इन्हें निम्न विषयों का प्रशिक्षण आवश्यक है

1.-शरीर रचना एवं शरीर किया विज्ञान का ज्ञान।
2.-राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के अंतर्गत आने वाली बीमारियों का ज्ञान।
3.-चिकित्सकों के आदेशों के पालन हेतु ज्ञान।
4.- विभिन्न बीमारियों के लक्षणों की पहचान व चिन्हित करने का प्रशिक्षण।
5.-जैविक चिन्ह जैसे रक्तचाप नाड़ी, ज्वर, पीलिया, रक्तअल्पता आदि का ज्ञान।
6.- गंभीर बीमारियों के प्रारंभिक लक्षणों को चिन्हित कर उसे उपयुक्त समय पर उपयुक्त स्थान तक पहुंचाने हेतु प्रशिक्षण।
7.-जटिल बीमारियों एवं वृद्धों की देखभाल का ज्ञान।
8.- सामान्य बीमारियों का ज्ञान एवं बुनियादी चिकित्सा करने का ज्ञान।
9.- प्राकृतिक आपदाओं के समय वैज्ञानिक तरीके से कार्य करने का प्रशिक्षण।
10.-भारत की विभिन्न पद्धतियों (आयुर्वेद, होम्योपैथी, आधुनिक, प्राकृतिक, योग एवं वैकल्पिक चिकित्सा पद्धतियां) का आधारभूत ज्ञान।

उक्त प्रशिक्षण के पश्चात स्वरोजगार के रुप में कार्य कर जहां ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ करने के लिए स्तंभ का कार्य करेगा वही अस्पतालों में सहायक के रूप में कार्य कर मरीज को मिलने वाली स्वास्थ्य सुविधाओं की गुणवत्ता को बढ़ाने में सहयोगी होगा।

प्रवेश योग्यता- 10+2 (किसी भी विषय में)

पाठ्यक्रम की अवधि एक वर्ष(1144 घंटे) सैद्धांतिक अध्ययन एवं
6 माह(1080 घंटे) का क्लीनिकलन प्रशिक्षण (शासन द्वारा मान्यता प्राप्त पंजीकृत अस्पताल / क्लीनिक द्वारा)

क्लीनिकल प्रशिक्षण उपरांत ही पत्रोपाधि डिप्लोमा प्राप्त होगा।

माध्यम – हिन्दी

Scanned with OKEN Scanner

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय, भोपाल
पत्रोपाधि पाठ्यक्रम
आधारभूत स्वास्थ्य संरक्षण

पाठ्यक्रम एवं पाठ्यचर्चा

विषय – 1 आधारभूत जीव विज्ञान एवं पैथोलॉजी

विषय – 2 मातृत्व एवं बाल स्वास्थ्य देखभाल एवं बुनियादी बायोकेमेस्ट्री

विषय – 3 बुनियादी सामुदायिक चिकित्सा एवं निवारण और पोषण

विषय – 4 बुनियादी आधुनिक एवं अपरिष्कृत दवाओं का अध्ययन एवं जैव चिकित्सा प्रबंधन

Scanned with OKEN Scanner

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय, भोपाल
पत्रोपाधि पाठ्यक्रम
आधारभूत स्वास्थ्य संरक्षण

प्रथम प्रश्नपत्र

आधारभूत जीव विज्ञान एवं पैथोलॉजी

अधिकतम अंक -100 **उत्तीर्णांक-40**
(सैद्धान्तिक परीक्षा-70)
(आंतरिक मूल्यांकन -30)

आधारभूत जीव विज्ञान

1 ऊपरी अंग (हड्डियां, मांसपेशियां, नसें, धमनियां) निचला अंग (हड्डियां, मांसपेशियां, नसें, धमनियां)
2 पेट: (हड्डियों, अंगों, मांसपेशियों, नसों, धमनियां) सिर और गर्दन (हड्डियों, अंगों, मांसपेशियों, नसों, धमनियां) थोरैक्स (हड्डियां, अंग, मांसपेशियां, नसें, धमनियां)
3 कोशिका, ऊतक , रक्त, विटामिन, खनिज पाचन तंत्र , हृदय प्रणाली
4 श्वसन प्रणाली, कंकाल प्रणाली ,तंत्रिका तंत्र
5 मूत्र प्रणाली, प्रजनन प्रणाली, संचार प्रणाली
6 अंत: स्त्राविका , त्वचा
7 लसिका तंत्र
8 रक्त परिसंचरण तंत्र
9 रेटिकुलोएण्डोथिलियल प्रणाली
10 विशिष्ट इन्द्रियां

सामान्य विकृति विज्ञान

1. परिचय
   सामान्य विकृति विज्ञान की परिभाषा ,विभिन्न प्रयोगशाला तकनीक और माइक्रोस्कोपी
2. स्वास्थ्य एवं रोग
   स्वास्थ्य और रोग की परिभाषा, रोग की क्रियाविधि
3. सूजन अवधारणा और परिभाषा , सूजन के विभिन्न चरण, नैदानिक लक्षण, तीव्र और जीर्ण सूजन फाइब्रोसिस और मरम्मत की प्रक्रिया ,पीप निर्माण
4. परिसंचरण विकार- हाइपरमिया, थ्रोम्बोसिस, एम्बोलिज्म, एडिमा
5. अपक्षयी ऊतक परिवर्तन -शोष,धुंधली, सूजन) ,अध:पतन ,परिगलन, गैंग्रीन ,घुसपैठ विकार
6. पुनर्योजी ऊतक परिवर्तन हाइपरट्रॉफी ,हाइपरप्लासिया ,हीलिंग ,केलोइड निर्माण
7. प्रोलिफेरेटिव ऊतक परिवर्तन: ट्यूमर
   ट्यूमर की क्रियाविधि, ट्यूमर का वर्गीकरण, सौम्य ट्यूमर , फाइब्रोमा, मायोमा, लाइपोमा, ऑस्टियोमा, कोंड्रामा
   घातक ट्यूमर : कार्सिनोमा, सारकोमा, लिम्फोमा, मेलेनोमा, पेपीसोमा, वेसल सेल कार्सिनोमा

सूक्ष्मजीव विज्ञान

अ: जीवाणु विज्ञान

निम्न जीवाणुओं का आकृति विज्ञान, वृद्धि और रोगजनन, स्टैफिलोकोकस ,स्ट्रेप्टोकोकस ,न्यूमोकोकस, गोनोकोकस ,गोरिन-बैक्टीरियम डिप्थीरी ,माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस ,क्लोस्ट्रिडियम टेटानी, साल्मोनेला टाइफी, शिगेला पेचिस, विब्रियो कॉलेरी, ट्रेपोनिमा पैलिडम(सिफलिस) ,ई. कोलाई

ब : परजीवी विज्ञान

मुख्य परजीवी और उनके रोग: प्लास्मोडियम, एस्केरिस लुम्ब्रिकोइड्स, एंकिलोस्टोमा, ऑक्सीयूरिस
टीनिया सोलियम , लीशमैनिया डोनोवानी , ट्राइकोमोनास वैजाइनलिस ,जिआर्डिया लैम्ब्लिया
इचिनोकोकस ग्रैनुलोसम हेरिया, केन्द्रीडियोसिस, प्रुराइटिसवेल्वी

विषाणु विज्ञान

निम्न प्रमुख विषाणुजन्य रोगों का अध्ययन:
चेचक , खसरा , इन्फ्लुएंजा , हर्पीस जोस्टर , पोलियोमाइलाइटिस ,एन्सेफलाइटिस , संक्रामक हेपेटाइटिस
रोग प्रतिरोधक क्षमता ,
प्रतिरक्षा का परिचय
प्रतिरक्षा के प्रकार: प्राकृतिक प्रतिरक्षा , अर्जित प्रतिरक्षा , सक्रिय प्रतिरक्षा, निष्क्रिय प्रतिरक्षा

Scanned with OKEN Scanner

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय, भोपाल
पत्रोपाधि पाठ्यक्रम
आधारभूत स्वास्थ्य संरक्षण

द्वितीय प्रश्नपत्र
मातृत्व एवं बाल स्वास्थ्य देखभाल एवं बुनियादी बायोकेमेस्ट्री

अधिकतम अंक -100 उत्तीर्णांक-40
(सैद्धान्तिक परीक्षा-70)
(आंतरिक मूल्यांकन -30)

मातृत्व एवं बाल स्वास्थ्य देखभाल

बाल्यावस्था, किशोरावस्था, गर्भधारण, प्रसव पूर्व देखभाल, प्रसव उपरान्त देखभाल, स्तनपान, स्त्रियों की समस्याएं, परिवार नियोजन, एस टी डी एवं चर्मरोग मानसिक स्वास्थ्य

राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम

राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम, राष्ट्रीय वेक्टर बोर्न डिजीज कंट्रोल प्रोग्राम, गैर-संचारणीय रोगों की रोकथाम और नियंत्रण, संशोधित राष्ट्रीय टी.बी. नियंत्रण कार्यक्रम, सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम, प्रजनन एवं शिशु स्वास्थ्य कार्यक्रम, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम, राष्ट्रीय आयोडीन अल्पविकार नियंत्रण कार्यक्रम, राष्ट्रीय अंधापन नियंत्रण कार्यक्रम, राष्ट्रीय बधिरता निवारण व नियंत्रण कार्यकम, राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम, स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम, राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन।

परिवार कल्याण कार्यक्रम

परिवार कल्याण कार्यक्रमों का महत्व, सर्वव्यापी प्रतिरक्षण कार्यक्रम का महत्व, परिवार कल्याण कार्यक्रम की आवश्यकता, परिवार नियोजन,अस्थायी उपाय, अवरोधी उपाय, रासायनिक अवरोध, मिश्रित अवरोध, अन्तगर्भाशयी उपकरण, स्थायी उपाय, हार्मोनयुक्त औषधियां, पुरूष नसबंदी, महिला नसबंदी अस्थायी पद्धति, पुरूष कण्डोम, महिला कण्डोम, डायाफ्राम,यौनांग स्पंज,आई.यू.डी.,खाने वाली गर्भ निरोधक गोलियां, मिश्रित गोलियां, उपत्वचीय प्रत्यारोपण, नसबंदी, पुरूष व महिला नसबंदी , पोस्ट क्वाइटल गर्भ निरोधक, कैफेटेरिया एप्रोच दो बच्चों के जन्म के बीच में अंतराल, चिकित्सीय गर्भपात।

स्वच्छता और स्वास्थ्य

स्वास्थ्य और स्वच्छता परिचय, संतुलित आहार, नियमित व्यायाम, व्यक्तिगत स्वच्छता, सामुदायिक स्वच्छता, बीमारी- संक्रामक रोग, गैर-संक्रामक रोग रोग प्रतिरोधक क्षमता - जन्मजात प्रतिरक्षा, अर्जित प्रतिरक्षा, टीके, एलर्जी

भोजन का स्रोत, खाद्य घटक: कार्बोहाइड्रेट, वसा, प्रोटीन, विटामिन, खनिज पदार्थ, लौहयुक्त भोजन

बुनियादी बायोकेमेस्ट्री

1. बायोमोलेक्यूल्स कार्बोहाइड्रेट्स: संरचना, प्रकार, कार्य । प्रोटीन्स: अमीनो अम्लों का वर्गीकरण, प्रोटीन की चार स्तरीय संरचना

लिपिड्स: फैटी एसिड, ट्राइग्लिसराइड्स, फॉस्फोलिपिड्स न्यूक्लिक एसिड्स: DNA और RNA की संरचना और कार्य

2. एंजाइम : एंजाइमों की संरचना और क्रियाविधि,एंजाइम क्रिया का सिद्धांत ,एंजाइम अवरोध, चिकित्सा में महत्वपूर्ण एंजाइम

3. चयापचय : कार्बोहाइड्रेट चयापचय: ग्लाइकोलिसिस, ग्लूकोनियोजेनेसिस, TCA साइकिल, ग्लाइकोजन मेटाबोलिज्म
लिपिड चयापचय: बीटा-ऑक्सीडेशन, फैटी एसिड संश्लेषण, कोलेस्ट्रॉल चयापचय,प्रोटीन व अमीनो अम्ल चयापचय: ट्रांसएमिनेशन, डीएमिनेशन, यूरिया चक्र, न्यूक्लियोटाइड चयापचय: प्यूरिन और पाइरीमिडीन संश्लेषण और अपघटन (प्यूरिन गठिया कारक रासायनिक यौगिक)

4. विटामिन और खनिज: जल में घुलनशील विटामिन (B-कॉम्प्लेक्स, विटामिन C), वसा में घुलनशील विटामिन (A D E K) की कमी से होने वाले रोग,आवश्यक खनिज तत्व (कैल्शियम, आयरन, जिंक, आयोडीन आदि)

5. हार्मोन : हार्मोन की संरचना और कार्य प्रणाली प्रमुख अंत: स्रावी ग्रंथियाँ और उनके हार्मोन (जैसे पिट्यूटरी, थायरॉयड, एड्रिनल) हार्मोन विकार (जैसे डायबिटीज, हाइपोथायरॉयडिज्म) हाइपरथायरॉइडिज्म, जड़ मानवता।

6. आणविक जीवविज्ञान DNA प्रतिकृति (Replication), मरम्मत और पुनर्संयोजन ट्रांसक्रिप्शन (RNA संश्लेषण) और ट्रांसलेशन (प्रोटीन संश्लेषण) जीन अभिव्यक्ति का नियंत्रणरीकॉम्बिनेंट DNA तकनीक, PCR (पॉलीमरेज चेन रिएक्शन)।

7. क्लिनिकल बायोकेमिस्ट्री एसिड-बेस संतुलन और विकार द्रव और इलेक्ट्रोलाइट संतुलन,लीवर फंक्शन टेस्ट्स (LFTs),वृक्क फंक्शन टेस्ट्स (RFTs),कार्डियक मार्कर्स (जैसे Troponin, CK&MB),डायबिटीज में जैव रासायनिक परीक्षण,लिपिड प्रोफाइल विश्लेषण

8. फ्री रेडिकल्स और एंटीऑक्सिडेंट्स : फ्री रेडिकल्स का निर्माण,एंटीऑक्सिडेंट सुरक्षा प्रणाली,बीमारियों में फ्री रेडिकल्स का महत्व

9. विशेष विषय कैंसर की बायोकेमिस्ट्री इम्यूनोकेमिस्ट्री (प्रतिरक्षा तंत्र और बायोकेमिकल आधार) जन्मजात चयापचय दोष (Inborn Errors of Metabolism जैसे फेनाइलकेटोनूरिया) प्रायोगिक बायोकेमिस्ट्री प्रयोगशाला तकनीकें: पाइपेटिंग, स्पेक्ट्रोफोटोमेट्री कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन और वसा का गुणात्मक विश्लेषण रक्त शर्करा, यूरिया, क्रिएटिनिन, कोलेस्ट्रॉल का मात्रात्मक परीक्षण मूत्र में असामान्य घटकों का विश्लेषण,लैब रिपोर्ट की व्याख्या

Scanned with OKEN Scanner

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय, भोपाल
पत्रोपाधि पाठ्यक्रम
आधारभूत स्वास्थ्य संरक्षण

तृतीय प्रश्नपत्र

बुनियादी सामुदायिक चिकित्सा एवं निवारण और पोषण

अधिकतम अंक -100
(सैद्धान्तिक परीक्षा-70)
(आंतरिक मूल्यांकन -30)

उत्तीर्णांक-40

बुनियादी सामुदायिक चिकित्सा एवं निवारण और पोषण

संक्रामक रोग- चेचक, छोटी माता, हैजा, डेंगू , ज्वर, सूजाक, हेपेटाइटिस , इनफलूएंजा कुष्ठ रोग, मलेरिया, खसरा, तन्त्रिका शोध, प्लेग, उपदंश, टिटेनस, क्षय, पीत ज्वर, एड्स, मियादी बुखार (टायफॉयड) , स्वाइन फ्लू, पोलियो, कोरोना वायरस।

सामान्य रोग :-सिर दर्द, दमा, घेंघा रोग, घुटनों का दर्द, रक्त चाप, मोटापा, जुकाम, मधुमेह, बाल झरना, परजीवी कृमि संक्रमण, निर्जलीकरण (डिहाइड्रेशन), कब्ज, ज्वर, अल्सर, तम्बाकू सेवन के दुष्परिणाम, औषधि प्रतिक्रिया के कारण उत्पन्न आपात स्थिति।

आपातकालीन रोगों का प्रबंधन एवं निवारण:- प्रारंभिक परीक्षण वायु मार्ग, प्रारंभिक परीक्षण, श्वसन, मरीज परीक्षण चिकित्सा, आघात मरीज परीक्षण, ट्राइएज प्रोटोकॉल, चेतन अवस्था में बदलाव, एलर्जी एनपफायलैक्सिस, श्वास संबंधी समस्याएं, हृदय विराम, सीने में दर्द, मिर्गी, बुखार, उच्च रक्तचाप, डायरिया, अत्यधिक वजन, पेट दर्द, लकवा, बेहोशी, लू लगना, फांसी, शरीर का तापमान कम होना, कीटपतंगों का डंक, डूबना, विषाक्तता, साँप का दंश, आघात आपातकाल, आघात मामलों में सामान्य आदेश, पेट का आघात, जलने का आघात, सीने का आघात, बाह्य रक्तस्त्राव व अन्य विच्छेद, हाथ पैर का आघात, सिर और रीढ़ की हड्डी का आघात, सदमा, अत्यधिक आघात, बाल चिकित्सा का आकलन, ज्वर, ,मिर्गी, आकस्मिक शिशु जन्म।

विभिन्न चिकित्सा पद्धतियों द्वारा सामान्य रोगों का ज्ञान एवं उपचार:- आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति, होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति, आधुनिक चिकित्सा पद्धति, प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति, योग चिकित्सा पद्धति, वैकल्पिक चिकित्सा पद्धतियां आदि।

प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल एवं रोगों के रोकथाम के उपाय : विशिष्ट संरक्षण, पुनर्वासन, प्राथमिक निवारण, व्यक्तिगत स्वास्थ्य विज्ञान, संगरोध उपाय, सूचनीय रोग।

प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधा के सिद्धांत एवं पोषण -

पोषण :- हमारा भोजन, भोजन के कार्य , पोषण तथा पोषक तत्व (कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, वसा, विटामिन, खनिज जल) भोजन समूह, संतुलित आहार, पोषण
संबंधी आवश्यकता, पोषण संबंधी विकार और कुपोषण, संतुलित आहार सारणी उम्र एवं कार्यानुसार।

Scanned with OKEN Scanner

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय, भोपाल
पत्रोपाधि पाठ्यक्रम
आधारभूत स्वास्थ्य संरक्षण

चतुर्थ प्रश्नपत्र
बुनियादी आधुनिक एवं अपरिष्कृत दवाओं का अध्ययन एवं जैव चिकित्सीय प्रबंधन

अधिकतम अंक -100
(सैद्धान्तिक परीक्षा-70)
(आंतरिक मूल्यांकन -30)

उत्तीर्णांक-40

बुनियादी आधुनिक औषधि

1. सामान्य आधुनिक औषधियों का परिचय और परिभाषा, औषधियों के शरीर पर प्रभाव।

2. औषधियों का शरीर में गमन (शोषण, वितरण, चयापचय, उत्सर्जन),औषधि मात्रा निर्धारण (दवा खुराक संबंधी सिद्धान्त) ,औषधि-औषधि परस्पर प्रभाव दुष्प्रभाव और विषाक्तता और औषधि अनुसंधान और क्लीनिकल परीक्षण ।

औषधियों का तर्कसंगत प्रयोग

तंत्र आधारित औषधि विज्ञान

(विभिन्न शारीरिक प्रणालियों पर कार्य करने वाली औषधियाँ),स्वायत्त तंत्रिका तंत्र ,उत्तेजक और अवरोधक, पैरासिम्पैथेटिक औषधियाँ,केंद्रीय तंत्रिका तंत्र ,नींद लाने वाली औषधियाँ ,दौरा रोकने वाली औषधियाँ, मानसिक रोगों की औषधियाँ ,दर्द निवारक और नशे की औषधियाँ ,बेहोशी की औषधियाँ , हृदय एवं रक्त प्रवाह तंत्र उच्च रक्तचाप की औषधियाँ ,हृदय रोग की औषधियाँ ,धड़कन सुधारने वाली औषधियाँ ,रक्त एवं रक्त निर्माण तंत्र रक्त पतला करने वाली औषधियाँ ,रक्ताल्पता (एनीमिया) की औषधियाँ।

श्वसन तंत्र : अस्थमा की औषधियाँ ,खाँसी के लिए औषधियाँ

पाचन तंत्र : अम्लता और अल्सर की औषधियाँ ,उल्टी रोकने वाली औषधियाँ ,दस्त और कब्ज की औषधियाँ,अंत:स्रावी तंत्र मधुमेह की औषधियाँ

थाइरॉयड हार्मोन और एंटी-थाइरॉयड औषधियाँ

स्टेरॉयड्स : यौन हार्मोन और गर्भनिरोधक औषधियाँ उपयोग विधि एवं विपरीत संकेत स्थान

संक्रमण रोधी औषधियाँ :

वायरस, फफूंदी, परजीवी के खिलाफ औषधियाँ कैंसर के लिए प्रतिरक्षा प्रणाली की औषधियाँ

3. नैदानिक औषधि विज्ञान और चिकित्सीय उपयोग गर्भवती महिलाओं, बुजुर्गों, बच्चों में औषधि उपयोग

आपातकालीन औषधियाँ विषाक्तता और उसका प्रबंधन ,औषधि पर्ची लिखना ,औषधि स्तरों की निगरानी

4. आवश्यक औषधियाँ और औषधियों का तर्कसंगत उपयोग आवश्यक औषधियों की सूची , प्रतिजैविक औषधियों का उचित प्रयोग

बहु-औषधि उपयोग से बचाव।

अपरिष्कृत औषधि

1. सामान्य अपरिष्कृत औषधियों (आयुर्वेदिक होम्योपैथिक एवं प्राकृतिक औषधियों) का परिचय और परिभाषा, औषधियों के शरीर पर प्रभाव

2. औषधियों का शरीर में गमन (शोषण, वितरण, चयापचय, उत्सर्जन),औषधि मात्रा निर्धारण (डोजिंग के सिद्धांत),औषधि-औषधि परस्पर प्रभाव दुष्प्रभाव और विषाक्तता और औषधि अनुसंधान और क्लीनिकल परीक्षण।

जैव चिकित्सीय प्रबंधन

जैव चिकित्सीय प्रबंधन और जानकारी नियंत्रण संरचना, परिचय, उद्देश्य, जैव चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन, जैव-चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2016, जैव चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन के लाभ , संक्रमण, नियंत्रण, नोसोक्रोमियल संक्रमण, स्वास्थ्य देखभाल, कर्मचारियों की शिक्षा और प्रशिक्षण, नोसोक्रोमियल संक्रमण निगरानी।

Scanned with OKEN Scanner

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय, भोपाल
पत्रोपाधि पाठ्यक्रम
आधारभूत स्वास्थ्य संरक्षण

अंक योजना

विषय	सैद्धांतिक		प्रायोगिक		कुल अंक
	अधिकतम अंक	परीक्षा समय	अधिकतम अंक	परीक्षा समय	अधिकतम अंक
आधारभूत जीव विज्ञान एवं पैथोलॉजी	100	3 घण्टे	100	4 घण्टे	200
मातृत्व एवं बाल स्वास्थ्य देखभाल एवं बुनियादी बायोकेमेस्ट्री	100	3 घण्टे	100	4 घण्टे	200
बुनियादी सामुदायिक चिकित्सा, निवारण एवं पोषण	100	3 घण्टे	100	4 घण्टे	200
बुनियादी आधुनिक एवं अपरिष्कृत दवाओं का अध्ययन एवं जैव चिकित्सीय प्रबंधन	100	3 घण्टे	100	4 घण्टे	200
कुल	400		400		800

मूल्यांकन योजना

क्र. सं	मूल्यांकन	अधिकतम अंक	उत्तीर्ण होने के लिए न्यूनतम प्रतिशत	उत्तीर्ण होने के लिए न्यूनतम अंक
1.	सैद्धांतिक मूल्यांकन 400 अंक	सैद्धांतिक अंक 70 70x4=280 आंतरिक मूल्यांकन 30x4=120	40%	160
2.	प्रायोगिक मूल्यांकन 400 अंक	प्रायोगिक अंक 100 अंक 100x4 = 400 अंक	40%	160

Scanned with OKEN Scanner